

भारत सरकार  
रेल मंत्रालय

लोक सभा  
02.04.2025 के  
अतारांकित प्रश्न सं. 5219 का उत्तर

स्वच्छ एवं हरित रेलवे

5219. श्री रमाशंकर राजभर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) रेलवे को अधिक लाभकारी बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;
- (ख) रेलवे में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण संबंधी योजनाओं का ब्यौरा क्या है;
- (ग) सरकार द्वारा लंबी दूरी की रेल यात्रा को तीव्रतर और सुविधाजनक बनाने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है; और
- (घ) छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को किराये में रियायत देने की योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क): 2023-24 के दौरान, भारतीय रेल की आमदनी 2,56,093 करोड़ रुपए और राजस्व व्यय 2,52,834 करोड़ रुपए था। 2023-24 में शुद्ध राजस्व बढ़कर 3,260 करोड़ रुपए हो गया है। मुख्य व्यय कार्मिक लागत, पेंशन, ऊर्जा खपत आदि पर किया जाता है। लाभ बढ़ाने के लिए, भारतीय रेल ने दो-आयामी दृष्टिकोण अर्थात् राजस्व में वृद्धि और परिचालनिक व्यय में कुशलता लाने को अपनाया है।

माल भाड़ा राजस्व से संबंधित कई पहलकदमियों के कार्यान्वयन के कारण, 2020-21 के दौरान भारतीय रेल द्वारा लदान किया गया माल 1,233 मिलियन टन था, जो 2023-24 के दौरान बढ़कर 1,591 मिलियन टन हो गया, अर्थात् 29% की वृद्धि हुई। भारतीय रेल वित्त वर्ष 2024-25 में 1.6 बिलियन टन माल लदान का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए तैयार है, जिससे यह दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी माल यातायात प्रबंधन रेल प्रणाली बन जाएगी। माल दुलाई में सुधार के लिए कुछ महत्वपूर्ण उपाय शामिल हैं-

- गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी)’ नीति के तहत आधुनिक रेल माल यातायात टर्मिनलों को विकसित करने के लिए निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करना और रेलवे के स्वामित्व वाले माल शेडों में अवसंरचना को बढ़ाना/उन्नत करना।
- सीमेंट, तेल, इस्पात, फ्लाई ऐश, ऑटोमोबाइल आदि के लिए पण्य केंद्रित विशेषज्ञकृत माल डिब्बों सहित माल डिब्बों में निवेश के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करना।
- कार्गो एकत्रीकरण को सुविधाजनक बनाना और उसके द्वारा, “कार्गो एग्रीगेटर परिवहन उत्पाद” और “संयुक्त पार्सल उत्पाद-रैपिड कार्गो सेवाएं” की नीति सहित योजनाओं द्वारा कमोडिटी बास्केट का विस्तार करना।
- रेल मोड को सड़क के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बनाकर रेल का हिस्सा बढ़ाने के लिए कई दर सूची संबंधी उपायों को लागू करना। इनमें 90 किलोमीटर तक के यातायात के लिए कम गमन रियायत, खाली प्रवाह दिशा में लदान किए गए यातायात के लिए उदारीकृत स्वचालित माल भाड़ा छूट योजना, खुले और सपाट माल डिब्बों में बैग वाले माल के लदान पर छूट, फ्लाई ऐश/बेड ऐश यातायात के लिए माल भाड़े में छूट, कंटेनर ट्रैन के लिए मिनी रेक का परिचालन, सामान्य कंटेनरों में परिवहन किए जाने पर बल्कि सीमेंट (खुले रूप में सीमेंट) के लिए विशेष दुलाई दर का निर्धारण शामिल है।

भारतीय रेल ने गैर-किराया राजस्व बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए गए हैं, जैसे विज्ञापन आय बढ़ाने के उपाय, राजस्व सृजन के नवीन विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए

एनआईएनएफआरआईएस (गैर-किराया राजस्व सृजन के लिए नवीन और अभिनव विचार और अवधारणा योजना) नीति को लागू करना भी जैसी कई पहल की हैं। नर्सिंग पॉड, लगेज रैपिंग और सेनिटाइजेशन, डिजिटल क्लॉकरूम, डिस्पोजल लिनन कियोस्क, नकली आभूषण कियोस्क, खादी बेचने वाले कियोस्क, हस्तशिल्प कियोस्क, ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफार्म के लिए कियोस्क, इलेक्ट्रिक चार्जिंग सुविधाएं, ऑक्सीजन पार्लर आदि एनआईएनएफआरआईएस संविदाओं के कुछ उदाहरण हैं। लीजशुदा पार्सल स्पेस, पार्किंग स्थल, एटीएम आदि जैसी परिसंपत्तियों की बोली में तेजी लाने के लिए ई-नीलामी नीति लागू की गई है। ई-नीलामी मॉड्यूल के लाभों में - प्रत्येक परिसंपत्ति की वास्तविक कमाई क्षमता की वसूली, निविदाओं को अंतिम रूप देने में लगने वाले समय में कमी और इस कारण से होने वाली राजस्व हानि को रोकना, किसी भी ठेकेदार द्वारा कार्य शुरू करने में विफलता के मामले में त्वरित समय में अनुबंध को फिर से प्रदान करना आदि शामिल हैं।

भारतीय रेल ने यात्री क्षेत्र से आय बढ़ाने के लिए भी विशेष रेलगाड़ियां चलाना, ऑन-बोर्ड क्षमता में वृद्धि करना तथा उचित किराए पर उच्च सुविधाओं के साथ नई रेलगाड़ियां शुरू करना जैसे कदम भी उठाए हैं,

इसी तरह, रेलवे में इष्टतम व्यय सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। रेलों पर कुछ व्यय प्रबंधन में जनशक्ति प्रबंधन, रेलवे पटरियों का विद्युतीकरण आदि शामिल हैं। रेलवे पटरियों के विद्युतीकरण जैसे उपायों के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2023-24 में डीजल कर्षण के तहत 4700 करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है।

(ख): स्वच्छता एक सतत् प्रक्रिया है और स्टेशनों तथा रेलगाड़ियों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए विभिन्न उपाय किए गए हैं, जिनमें प्रमुख स्टेशनों तथा रेलगाड़ियों में एकीकृत हाउसकीपिंग अनुबंध, मशीनीकृत सफाई, यात्री डिब्बों में जैव-शौचालय, लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सेवा (ओबीएचएस) योजना, नामित स्टेशनों पर मार्ग में

चिह्नित रेलगाड़ियों के लिए स्वच्छ रेलगाड़ी स्टेशन (सीटीएस) योजना, जैव-निम्नीकरणीय तथा गैर-जैव-निम्नीकरणीय अपशिष्टों के लिए कूड़ेदान आदि शामिल हैं।

भारतीय रेल ने पर्यावरण हितैषी और संधारणीय पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:-

- ध्वनि, वायु प्रदूषण और डीजल की खपत को कम करने के लिए एंड ऑन जेनरेशन (ईओजी) ट्रेनों को हेड ऑन जेनरेशन (एचओजी) ट्रेनों में बदलना।
- पूर्व और पश्चिम समर्पित माल गलियारों (डीएफसी) का निर्माण।
- भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए विभिन्न बिजली खरीद माध्यमों से नवीकरणीय ऊर्जा की खरीद।
- बिजली की खपत में कमी के लिए स्टेशनों, सेवा भवनों, आवासीय क्वार्टरों और सवारी डिब्बों सहित सभी रेलवे प्रतिष्ठानों में ऊर्जा कुशल लाइट एमिटिंग डायोड (एलईडी) प्रकाश व्यवस्था का प्रावधान।
- स्टार रेटेड उपकरणों का उपयोग।
- 98% रेलपथ का विद्युतीकरण हो चुका है, जिसके परिणामस्वरूप डीजल की खपत में बचत हुई है।
- ट्रेन सेट चलाने के लिए हाइड्रोजन गैस का उपयोग करना।
- रेलवे प्रतिष्ठानों का ग्रीन सर्टिफिकेशन।
- उचित अपशिष्ट प्रबंधन।

(ग): यात्रियों की संरक्षा और आराम बढ़ाने के लिए चल स्टॉक में सुधार/उन्नयन भारतीय रेल पर एक सतत और चलायमान प्रक्रिया है। इन पहलों में 160 किलोमीटर प्रति घंटे की परिचालन गति वाले एलएचबी कोच, बेहतर राइडिंग इंडेक्स, बेहतर सौंदर्य और हल्के वजन का डिज़ाइन, एंटी-टेलीस्कोपिक और एंटी क्लाइम्बिंग सुविधाएँ, सेंटर बफर कपलर, एक्सल

माउंटेड डिस्क ब्रेक सिस्टम आदि जैसी संरक्षा सुविधाएँ शामिल हैं, जो 1960 के दशक के पारंपरिक आईसीएफ कोचों की तुलना में बेहतर हैं।

यात्रियों को द्रुत सेवा और बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के अपने निरंतर प्रयास में, भारतीय रेल वंदे भारत ट्रेनें और नमो रैपिड रेल सेवा शुरू कर रहा है, जिसमें आधुनिक सवारी डिब्बे, बेहतर संरक्षा सुविधाएँ और बेहतर सुविधाएँ हैं। वर्तमान में, भारतीय रेल नेटवर्क पर 136 वंदे भारत सेवाएं और 2 नमो रैपिड रेल सेवाएँ चल रही हैं।

भारतीय रेल ने आधुनिक, पूरी तरह से गैर-वातानुकूलित अमृत भारत गाड़ियां भी शुरू की हैं। इन गाड़ियों में इटके रहित यात्रा के लिए सेमी-परमानेंट कपलर, क्षैतिज स्लाइडिंग विंडो, वंदे भारत स्लीपर की तर्ज पर बेहतर लुक और फील के साथ बर्थ की बेहतर सुंदरता, कोचों में बेहतर क्रैशवर्थनेस, इमरजेंसी टॉक बैक यूनिट, बेहतर एलईडी लाइट फिटिंग और चार्जिंग सॉकेट, फोल्डेबल स्नैक टेबल और बॉटल होल्डर, मोबाइल होल्डर आदि जैसी उन्नत सुविधाएँ हैं। इन ट्रेनों में 12 स्लीपर क्लास कोच और 8 सामान्य श्रेणी के कोच शामिल हैं। वर्तमान में, 4 अमृत भारत सेवाएँ चल रही हैं।

चल स्टॉक में सुधार के अलावा, रेलवे पटरियों को उन्नत करने के लिए भारतीय रेल द्वारा निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:

- (i) 60 किग्रा, 90 अल्टीमेट टेन्साइल स्ट्रेंथ (यूटीएस) रेल, प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपर (पीएससी) आधुनिक लोचदार फास्टनिंग वाले सामान्य/चौड़े बेस स्लीपर वाले आधुनिक ट्रैक घटकों का उपयोग करना।
- (ii) थिक वेब स्विच और वेल्डेबल सीएमएस क्रॉसिंग के साथ पीएससी स्लीपरों पर फैन शेष्ड टर्नआउट बिछाना।
- (iii) प्राथमिक रेलपथ नवीकरण के दौरान गर्डर पुलों पर स्टील चैनल/एच-बीम स्लीपर उपलब्ध कराना।

(iv) जोड़ों की वेल्डिंग को कम से कम के लिए 130 मीटर/260 मीटर लंबे रेल पैनलों का उपयोग।

(v) मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट द्वारा फील्ड-वेल्डिंग और चरणबद्ध सरणी प्रौद्योगिकी द्वारा पटरियों/वेल्ड की उन्नत यूएसएफडी परीक्षण तकनीक।

(vi) रेलपथ रिलेइंग गाड़ियों, पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग बदलने की मशीनों, रेलपथ बिछाने के उपकरणों आदि का उपयोग करते हुए रेलपथ नवीकरण/प्रतिस्थापन में मशीनीकरण।

(vii) इष्टतम अनुरक्षण आवश्यकताओं का अनुमान लगाने के लिए एकीकृत रेलपथ निगरानी प्रणाली और ऑसिलेशन मॉनिटरिंग सिस्टम लगाना ताकि समग्र स्थिति का मूल्यांकन किया जा सके।

(viii) रेलपथ अनुरक्षण के लिए हाई आउटपुट टैम्पर्स, उच्च आउटपुट वाली गिट्टी साफ करने वाली मशीनें और पटरी ग्राइंडिंग मशीनें आदि जैसी उन्नत आधुनिक मशीनों को शामिल करना।

(ix) पटरियों/दरारों के परीक्षण के लिए स्वचालित अल्ट्रासोनिक पटरी परीक्षण यान (एसपीयूआरटी) और जांच (यूएसएफडी) परीक्षण प्रणाली रेल-सह-सड़क वाहन आधारित यूएसएसडी प्रणाली को अपनाना।

(x) सटीक अनुरक्षण इनपुट प्राप्त करने के लिए विभिन्न स्रोतों से प्राप्त रेलपथ निरीक्षण रिकॉर्डों के एकीकरण और डेटा विश्लेषण के लिए वेब सक्षम रेलपथ प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करना।

उपरोक्त उपायों के परिणामस्वरूप, वर्तमान में लगभग 80,000 किमी की गति क्षमता में 110 किमी प्रति घंटे का उल्लेखनीय सुधार हुआ है जो 2014 में यह क्षमता केवल लगभग 31,000 किमी में थी। इसके अतिरिक्त, 2014-15 से 2024-25 (फरवरी 2025 तक) तक लगभग 23,000 किमी रेलपथ का उन्नयन और सुधार 130 किमी प्रति घंटे की गति क्षमता के लिए किया गया है।

(घ): भारतीय रेल समाज के सभी वर्गों को किफायती सेवाएँ प्रदान करने का प्रयास करता है और वर्ष 2022-23 में यात्री टिकटों पर 56,993 करोड़ रुपये की रियायत दी गई। यह रेल में यात्रा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को औसतन 46% की रियायत है। दूसरे शब्दों में, यदि सेवा प्रदान करने की लागत ₹100 है, तो टिकट की कीमत केवल 54 रुपये है। यह रियायत सभी यात्रियों के लिए जारी है। इसके अलावा, विकलांग व्यक्तियों की 4 श्रेणियां (दिव्यांगजन), रोगियों की 11 श्रेणियां और छात्रों की 8 श्रेणियां जैसी कई श्रेणियों के लिए इस सब्सिडी राशि से अलग रियायतें जारी हैं।

\*\*\*\*\*